

Документ подписан простой электронной подписью  
Информация о владельце:  
ФИО: Перова Елена Юрьевна  
Должность: ректор  
Дата подписания: 30.06.2026 10:28:34  
Уникальный программный ключ:  
9b68c4794e467ee8ddbc7abcc23cb0857f1ce4842b4832bb03567bdc95650284

МИНИСТЕРСТВО КУЛЬТУРЫ РОССИЙСКОЙ ФЕДЕРАЦИИ  
ФГБОУ ВО "Восточно-Сибирский государственный институт культуры"

План одобрен Ученым советом вуза  
Протокол № 4 от 28.11.2025

УЧЕБНЫЙ ПЛАН

по программе бакалавриата

54.03.05

54.03.01 Дизайн

Профиль: Дизайн пространственной среды  
Кафедра: Дизайна  
Факультет: искусств

Квалификация: бакалавр  
Форма обучения: Очная  
Срок получения образования: 4 г.

Год начала подготовки (по учебному плану) 2026  
Образовательный стандарт (ФГОС) № 1015 от 13.08.2020

| Код    | Области профессиональной деятельности и (или) сферы профессиональной деятельности. Профессиональные стандарты                                      | Приказ Минтруда         |
|--------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------|
| 01     | ОБРАЗОВАНИЕ И НАУКА                                                                                                                                |                         |
| 01.001 | ПЕДАГОГ (ПЕДАГОГИЧЕСКАЯ ДЕЯТЕЛЬНОСТЬ В СФЕРЕ ДОШКОЛЬНОГО, НАЧАЛЬНОГО ОБЩЕГО, ОСНОВНОГО ОБЩЕГО, СРЕДНЕГО ОБЩЕГО ОБРАЗОВАНИЯ) (ВОСПИТАТЕЛЬ, УЧИТЕЛЬ) | № 544н от 18.10.2013 г. |
| 04     | КУЛЬТУРА, ИСКУССТВО                                                                                                                                |                         |
| 10     | АРХИТЕКТУРА, ПРОЕКТИРОВАНИЕ, ГЕОДЕЗИЯ, ТОПОГРАФИЯ И ДИЗАЙН                                                                                         |                         |
| 10.008 | АРХИТЕКТОР                                                                                                                                         | № 202н от 06.04.2022 г. |
| 10.028 | АРХИТЕКТОР-ДИЗАЙНЕР                                                                                                                                | № 538н от 14.09.2022 г. |

| Типы задач профессиональной деятельности |
|------------------------------------------|
| научно-исследовательский                 |
| проектный                                |
| педагогический                           |
| художественный                           |

СОГЛАСОВАНО

Проректор по УВР  
Начальник УМУ  
Декан  
Заведующий кафедрой/Руководитель образовательной программы

 / Редько Т.Л./  
 / Немчинова Т.А./  
 / Мордвина Т.Н./  
 / Солнцева Г.Н./



УТВЕРЖДАЮ

Ректор

Перова Е.Ю.

11 2025г.

## Календарный учебный график

[illegible]

### Сводные данные

|                            |                                                                          | Курс 1          |               |              | Курс 2          |               |              | Курс 3          |               |              | Курс 4          |               |              | Итого        |
|----------------------------|--------------------------------------------------------------------------|-----------------|---------------|--------------|-----------------|---------------|--------------|-----------------|---------------|--------------|-----------------|---------------|--------------|--------------|
|                            |                                                                          | Сем. 1          | Сем. 2        | Всего        | Сем. 3          | Сем. 4        | Всего        | Сем. 5          | Сем. 6        | Всего        | Сем. 7          | Сем. 8        | Всего        |              |
| у                          | Теоретическое обучение и практики                                        | 16              | 16            | 32           | 16              | 16            | 32           | 16              | 12            | 28           | 16              |               | 16           | 108          |
| Э                          | Экзаменационные сессии                                                   | 4               | 4             | 8            | 4               | 4             | 8            | 4               | 4             | 8            | 4               |               | 4            | 28           |
| П                          | Производственная практика                                                |                 |               |              |                 |               |              |                 | 4             | 4            |                 | 14            | 14           | 18           |
| Д                          | Подготовка к процедуре защиты и защита выпускной квалификационной работы |                 |               |              |                 |               |              |                 |               |              |                 | 4             | 4            | 4            |
| Г                          | Подготовка к сдаче и сдача гос. экзамена                                 |                 |               |              |                 |               |              |                 |               |              |                 | 2             | 2            | 2            |
| К                          | Каникулы                                                                 | 5/6             | 9 1/6         | 10           | 5/6             | 9 1/6         | 10           | 5/6             | 9 1/6         | 10           | 5/6             | 9 1/6         | 10           | 40           |
| *                          | Нерабочие праздничные дни (не включая воскресенья)                       | 1 1/6<br>(7 дн) | 5/6<br>(5 дн) | 2<br>(12 дн) | 1 1/6<br>(7 дн) | 5/6<br>(5 дн) | 2<br>(12 дн) | 1 1/6<br>(7 дн) | 5/6<br>(5 дн) | 2<br>(12 дн) | 1 1/6<br>(7 дн) | 5/6<br>(5 дн) | 2<br>(12 дн) | 8<br>(48 дн) |
| Продолжительность обучения |                                                                          | более 39 нед.   |               |              | более 39 нед.   |               |              | более 39 нед.   |               |              | более 39 нед.   |               |              |              |
| Итого                      |                                                                          | 22              | 30            | <b>52</b>    | 22              | 30            | <b>52</b>    | 22              | 30            | <b>52</b>    | 22              | 30            | <b>52</b>    | 208          |

| Коды |  | Индикатор |  | Наименование |  | Формы прог. акт. |  | 3.4 |  | Итого индикатор |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 1 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 2 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 3 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 4 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 5 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 6 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 7 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 8 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 9 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 11 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 12 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 13 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 14 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 15 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 16 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 17 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 18 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 19 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 20 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 21 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 22 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 23 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 24 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 25 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 26 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 27 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 28 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 29 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 30 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 31 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 32 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 33 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 34 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 35 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 36 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 37 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 38 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 39 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 40 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 41 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 42 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 43 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 44 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 45 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 46 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 47 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 48 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 49 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 50 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 51 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 52 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 53 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 54 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 55 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 56 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 57 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 58 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 59 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 60 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 61 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 62 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 63 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 64 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 65 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 66 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 67 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 68 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 69 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 70 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 71 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 72 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 73 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 74 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 75 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 76 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 77 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 78 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 79 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 80 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 81 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 82 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 83 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 84 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 85 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 86 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 87 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 88 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 89 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 90 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 91 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 92 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 93 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 94 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 95 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 96 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 97 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 98 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 99 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 100 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 101 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 102 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 103 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 104 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 105 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 106 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 107 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 108 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 109 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 110 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 111 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 112 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 113 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 114 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 115 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 116 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 117 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 118 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 119 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 120 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 121 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 122 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 123 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 124 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 125 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 126 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 127 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 128 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 129 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 130 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 131 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 132 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 133 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 134 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 135 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 136 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 137 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 138 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 139 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 140 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 141 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 142 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 143 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 144 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 145 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 146 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 147 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 148 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 149 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 150 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 151 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 152 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 153 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 154 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 155 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 156 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 157 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 158 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 159 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 160 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 161 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 162 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 163 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 164 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 165 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 166 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 167 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 168 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 169 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 170 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 171 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 172 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 173 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 174 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 175 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 176 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 177 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 178 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 179 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 180 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 181 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 182 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 183 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 184 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 185 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 186 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 187 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 188 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 189 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 190 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 191 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 192 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 193 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 194 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 195 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 196 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 197 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 198 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 199 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 200 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 201 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 202 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 203 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 204 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 205 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 206 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 207 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 208 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 209 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 210 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 211 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 212 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 213 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 214 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 215 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 216 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 217 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 218 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 219 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 220 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 221 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 222 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 223 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 224 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 225 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 226 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 227 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 228 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 229 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 230 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 231 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 232 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 233 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 234 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 235 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 236 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 237 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 238 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 239 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 240 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 241 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 242 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 243 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 244 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 245 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 246 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 247 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 248 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 249 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 250 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 251 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 252 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 253 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 254 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 255 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 256 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 257 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 258 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 259 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 260 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 261 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 262 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 263 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 264 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 265 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 266 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 267 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 268 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 269 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 270 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 271 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 272 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 273 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 274 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 275 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 276 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 277 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 278 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 279 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 280 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 281 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 282 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 283 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 284 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 285 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 286 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 287 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 288 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 289 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 290 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 291 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 292 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 293 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 294 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 295 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 296 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 297 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 298 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 299 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 300 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 301 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 302 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 303 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 304 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 305 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 306 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 307 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 308 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 309 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 310 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 311 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 312 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 313 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 314 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 315 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 316 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 317 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 318 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 319 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 320 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 321 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 322 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 323 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 324 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 325 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 326 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 327 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 328 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 329 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 330 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 331 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 332 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 333 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 334 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 335 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 336 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 337 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 338 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 339 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 340 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 341 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 342 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 343 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 344 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 345 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 346 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 347 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 348 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 349 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 350 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 351 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 352 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 353 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 354 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 355 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 356 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 357 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 358 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 359 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 360 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 361 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 362 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 363 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 364 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 365 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 366 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 367 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 368 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 369 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 370 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 371 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 372 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 373 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 374 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 375 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 376 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 377 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 378 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 379 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 380 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 381 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 382 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 383 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 384 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 385 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 386 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 387 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 388 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 389 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 390 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 391 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 392 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 393 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 394 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 395 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 396 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 397 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 398 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 399 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 400 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 401 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 402 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 403 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 404 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 405 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 406 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 407 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 408 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 409 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 410 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 411 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 412 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 413 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 414 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 415 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 416 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 417 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 418 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 419 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 420 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 421 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 422 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 423 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 424 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 425 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 426 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 427 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 428 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 429 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 430 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 431 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 432 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 433 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 434 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 435 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 436 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 437 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 438 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 439 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 440 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 441 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 442 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 443 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 444 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 445 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 446 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 447 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 448 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 449 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 450 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 451 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 452 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 453 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 454 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 455 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 456 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 457 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 458 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 459 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 460 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 461 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 462 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 463 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 464 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 465 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 466 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 467 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 468 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 469 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 470 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 471 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 472 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 473 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 474 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 475 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 476 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 477 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 478 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 479 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 480 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 481 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 482 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 483 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 484 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 485 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 486 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 487 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 488 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 489 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 490 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 491 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 492 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 493 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 494 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 495 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 496 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 497 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 498 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 499 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 500 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 501 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 502 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 503 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 504 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 505 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 506 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 507 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 508 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 509 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 510 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 511 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 512 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 513 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 514 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 515 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 516 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 517 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 518 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 519 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 520 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 521 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 522 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 523 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 524 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 525 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 526 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 527 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 528 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 529 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 530 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 531 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 532 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 533 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 534 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 535 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 536 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 537 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 538 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 539 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 540 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 541 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 542 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 543 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 544 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 545 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 546 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 547 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 548 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 549 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 550 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 551 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 552 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 553 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 554 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 555 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 556 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 557 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 558 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 559 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 560 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 561 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 562 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 563 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 564 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 565 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 566 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 567 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 568 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 569 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 570 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 571 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 572 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 573 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 574 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 575 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 576 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 577 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 578 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 579 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 580 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 581 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 582 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 583 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 584 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 585 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 586 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 587 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 588 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 589 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 590 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 591 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 592 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 593 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 594 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 595 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 596 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 597 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 598 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 599 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 600 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 601 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 602 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 603 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 604 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 605 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 606 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 607 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 608 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 609 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 610 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 611 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 612 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 613 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 614 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 615 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 616 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 617 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 618 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 619 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 620 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 621 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 622 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 623 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 624 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 625 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 626 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 627 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 628 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 629 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 630 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 631 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 632 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 633 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 634 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 635 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 636 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 637 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 638 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 639 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 640 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 641 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 642 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 643 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 644 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 645 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 646 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 647 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 648 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 649 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 650 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 651 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 652 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 653 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 654 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 655 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 656 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 657 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 658 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 659 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 660 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 661 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 662 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 663 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 664 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 665 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 666 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 667 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 668 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 669 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 670 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 671 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 672 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 673 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 674 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 675 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 676 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 677 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 678 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 679 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 680 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 681 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 682 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 683 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 684 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 685 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 686 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 687 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 688 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 689 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 690 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 691 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 692 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 693 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 694 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 695 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 696 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 697 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 698 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 699 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 700 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 701 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 702 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 703 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 704 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 705 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 706 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 707 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 708 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 709 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 710 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 711 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 712 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 713 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 714 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 715 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 716 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 717 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 718 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 719 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 720 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 721 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 722 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 723 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 724 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 725 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 726 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 727 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 728 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 729 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 730 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 731 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 732 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 733 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 734 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 735 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 736 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 737 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 738 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 739 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 740 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 741 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 742 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 743 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 744 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 745 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 746 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 747 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 748 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 749 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 750 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 751 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 752 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 753 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 754 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 755 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 756 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 757 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 758 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 759 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 760 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 761 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 762 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 763 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 764 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 765 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 766 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 767 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 768 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 769 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 770 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 771 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 772 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 773 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 774 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 775 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 776 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 777 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 778 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 779 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 780 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 781 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 782 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 783 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 784 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 785 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 786 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 787 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 788 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 789 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 790 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 791 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 792 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 793 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 794 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 795 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 796 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 797 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 798 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 799 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 800 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 801 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 802 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 803 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 804 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 805 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 806 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 807 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 808 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 809 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 810 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 811 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 812 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 813 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 814 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 815 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 816 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 817 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 818 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 819 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 820 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 821 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 822 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 823 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 824 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 825 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 826 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок 827 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Блок |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|------|--|-----------|--|--------------|--|------------------|--|-----|--|-----------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
|------|--|-----------|--|--------------|--|------------------|--|-----|--|-----------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|

[illegible]